दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - IX)

GENERAL STUDIES (Test - IX)

मॉडल टेस्ट - I / Model Test - I

DTVF/17-M-**GS9**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Chetan kumar meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	2	5	4	8	0	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Chetan

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS: 68 /250

Introduction	Context	Content	Structure	Current Link / Examples	Conclusion	Language
B	B	B	B	B	B	C

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

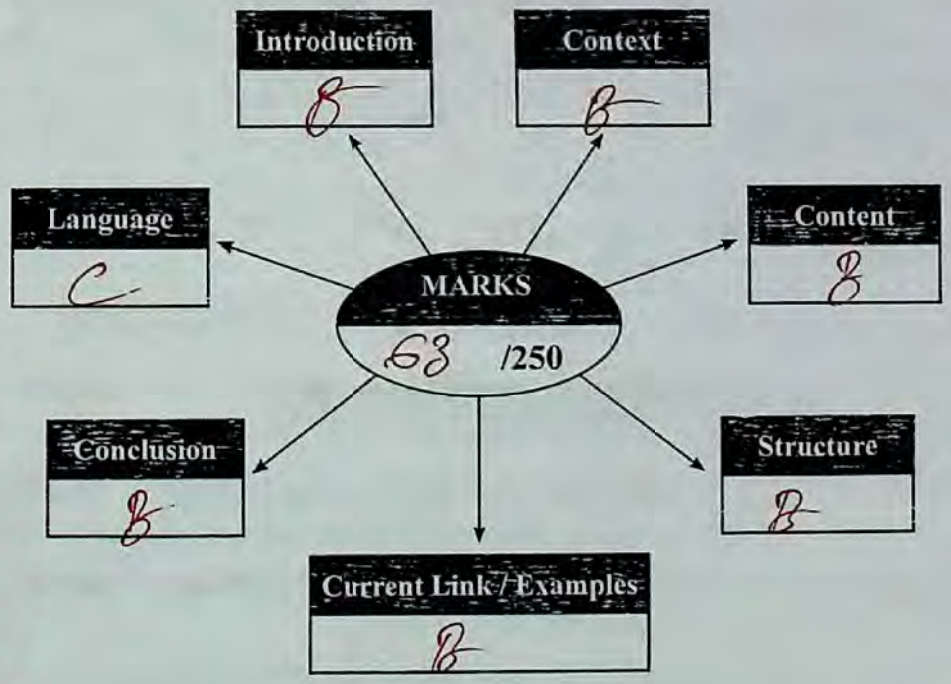

A3

दृष्टि The Vision

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- तथ्यों व आंकड़ों का प्रचुर मात्रा में उल्लेख कीजिए।
- शब्द व मात्रा के स्तर पर त्रुटियों को दूर कीजिए।
- उत्तर को पूरा लिखिए।
- प्रश्न के अनुसार सटीक व सारगर्भित उत्तर लिखिए।
- मॉडल उत्तर का अध्ययन कीजिए।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
✓ Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

कृपया इस ... संख्या के ... न लिखें। (Please d... anything ... question ... this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. कुचिपुड़ी नृत्यकला भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है, जो आज भी विश्व के परंपरागत नृत्य रूपों में भारत का प्रतिनिधित्व करती है। उक्त कथन के संदर्भ में इस कला के चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 12.5

Kuchipudi dance is an integral part of Indian cultural heritage, which represents India in the traditional art forms of world even today. Throw light on characteristic attributes of this art in the context of above statement. (250 words) 12.5

भारत ऐतिहासिक रूप से सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत की विशेष थाती रहा है। यहाँ स्थापत्य कला, चित्रकला, मूर्तिकला, नृत्य, संगीत, साहित्य का तेजी से विकास हुआ।

कुचिपुड़ी नृत्य भारत की शास्त्रीय नृत्यकला का प्रतिनिधित्व करता है। इस नृत्य का संचालन मुख्य रूप से ~~केरल~~ आंध्रप्रदेश के मंदिरों में रहा, लेकिन इसने ऐतिहासिक विकास के पश्चात राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की है।

विशेषताएँ

① कुचिपुड़ी नृत्य के आंध्रप्रदेश के कुचेलपुर गाँव से विकास के पश्चात विजयनगर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साम्राज्य के दौरान व्यापक प्रसार हुआ। बाद में यह यक्षगान नृत्य परंपरा से जुड़ा।

(2) कुचीपुड़ी नृत्य की विशेषता यह है कि यह नृत्य, अभिनय व संगीत का मिश्रण है, और नाटकीय तत्व की प्रमुखता है। कुचीपुड़ी नृत्य में विशेष रूप से थाल के ऊपर पैर रखकर नृत्य किया जाता है, इसलिए यह थाल नृत्य भी कहलाता है।

(3) कुचीपुड़ी नृत्य में नर्तक द्वारा विशेष रूप से कदमताल द्वारा जमीन पर कथानक का चित्रण किया जाता है और विशेष चित्राकृति निर्मित होती है।

(4) कुचिपुड़ी नृत्य धार्मिक नृत्य का उदाहरण है, इसमें विभिन्न पौराणिक कथानकों यथा महाभारत, रामायण की प्रेरणा मिलती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(5) कुचीपुड़ी नृत्य का आयोजन पहले धार्मिक अवसरों पर मंदिरों में धार्मिक रूप से आयोजन होता था, लेकिन अब व्यापक रूप से कलात्मक प्रदर्शन होता है।

(6) इस नृत्य में लावण्य व तांडव का मिश्रण दिखायी देता है। पुरुष एवं स्त्री दोनों कलाकार कर सकते हैं।

वस्तुतः कुचीपुड़ी नृत्य दक्षिण भारत की समृद्ध नृत्य विधा का प्रतिनिधित्व करता है, ऐतिहासिक महत्व के साथ साथ यह वर्तमान में भारत की सांस्कृतिक विरासत का देश-विदेश में प्रचार का माध्यम बना है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.75	0.75	0.75	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. चीनी यात्री ह्वेनसांग के भारत भ्रमण के यात्रा वृत्तांत 7वीं सदी के भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को उद्घाटित करने में महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं। विवेचन करें। (250 शब्द) 12.5

Travelogues of Chinese pilgrimage Hiuen Tsang can be proved significant to exposition of 7th century socio-cultural life of India. Elucidate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत प्राचीन काल में धर्म, शिक्षा व चिकित्सा आदि का उन्नत केन्द्र रहा, इसलिए विदेशी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। इसी क्रम में गुप्त काल के अंतिम समय में 7वीं शताब्दी में हर्षवर्धन के समय चीनी यात्री ह्वेनसांग का आगमन हुआ।

ह्वेनसांग का उद्देश्य भारत से बौद्ध धर्म की जानकारी प्राप्त करना था, किन्तु अपने भारत ~~भ्रमण~~ प्रवास के दौरान भारत की धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्था का अवलोकन कर उसका जिक्र अपनी पुस्तक में किया।

ह्वेनसांग के अनुसार भारत का समाज वर्ण विभाजित समाज था। उसने जिक्र किया कि समाज में आर्थिक सामाजिक भेद

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपस्थित था। उसने उच्च वर्गों व निम्न वर्गों की अपेक्षा जीवन शैली में भिन्नता (जैसे चमकीले वस्त्र पहनना) का वर्णन किया।

→ ह्वेनसांग के अनुसार भारत में धर्म, दर्शन व शिक्षा का व्यापक प्रसार था। उसने नालंदा विश्वविद्यालय की उन्नत शिक्षण व्यवस्था का वर्णन किया।

→ ह्वेनसांग ने भारत में दास प्रथा का उल्लेख किया था। किन्तु भारत में प्रचलित वर्णव्यवस्था में अस्पृश्यों को दास समझा।

→ ह्वेनसांग ने भारत की राजनीतिक व्यवस्था का जिक्र भी किया, उसके अनुसार भारत में केन्द्रीकृत व्यवस्था मुद्दर थी और सामंतों पर केन्द्रीय शासन की पकड़ थी।

शिक्षा, परिधान, बोलचाल, भाषा, जैसे पहलुओं को भी ... रेखांकित कीजिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ह्वेनसांग का भारत संबंधी विश्लेषण कई मायनों में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है, किंतु उसने कई ऐसे तथ्य भी प्रस्तुत किए जो भ्रामक या अबोधता के कारण वर्णित प्रतीत होते। किंतु, यह तो मानना पड़ेगा कि समाज में विषमता की व्याप्ति एवं वर्गीय विभाजन की बात संबंधी जानकारी तार्किक प्रतीत होती है।

ह्वेनसांग के यात्रा वृतांत का पुरातात्विक साक्ष्यों के साथ तुलनात्मक अध्ययन के रूप में महत्व का निष्कर्ष में उल्लेख कीजिए।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

3. यूनेस्को द्वारा योग को 'मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल करने के क्या निहितार्थ हैं? इस सूची में शामिल भारत के अन्य अमूर्त विरासतों की भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

What are the implications of including 'Yoga' in 'Intangible Cultural Heritage of Humanity' list of UNESCO? Discuss about other intangible heritage included in the list. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत से तात्पर्य विरासत की वह परंपरा है, जिसको स्पर्श रूप में अथवा भौतिक रूप में प्रतीत नहीं किया जा सकता। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मूर्त पक्ष तो अवलोकनीय है ही, अमूर्त धरोहरों को भी यूनेस्को का दर्जा प्राप्त हुआ है।

यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर

1. योग → पतंजली से प्रेरित योग की भारत में परंपरा रही, इसको यूनेस्को ने वैश्विक मान्यता प्रदान की।

2. वैदिक मंत्रोच्चार → वैदिक साहित्य एवं ग्रंथों में उल्लिखित मंत्रों की विशेष उच्चारण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

का प्रचलन व्यापक रूप से रहा है)

(3) बौद्ध जाप ⇒ भारत के गया, आदि बौद्ध स्थलों पर बौद्ध उपासना की विशेष पद्धति प्रचलित है।

(4) रम्मन ⇒ यह भगवान राम से प्रेरित उत्तराखंड में प्रचलित सांस्कृतिक धरोहर है।

(5) कुडियट्टम → केरल में शास्त्रीय पद्धति पर आधारित अभिनय नृत्य का मिलाजुला रूप है।

(6) कालबेलिया नृत्य →
राजस्थान के कालबेलिया आदिवासी समुदाय द्वारा विशेष कलात्मकता वाला लोकनृत्य है।

(7) इसके अतिरिक्त अन्य विरासत भी

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

है। कुल मिलाकर 10 मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक विरासत हैं, जिन्हें यूनेस्को द्वारा दर्जा दिए जाते हैं निम्नलिख प्रभावित होंगे-

(1) भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है। भारत की संस्कृति का प्रचलन विदेशों में भी होगा।

(2) यूनेस्को इनके संरक्षण के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेगा। यह भारत की सांस्कृतिक तत्वों की दीर्घजीविता को बढ़ाएगा।

वस्तुत: भारत की सांस्कृतिक विविधता प्राचीन काल से ही विश्व प्रसिद्ध रही है, यूनेस्को द्वारा इन्हें अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिए जाने से संरक्षण एवं प्रसार जैसे लाभ भारत को प्राप्त होंगे।

गरबा, रामलीला, कीर्तिमुल्लयाट्टम का उल्लेख किया जा सकता है।

3/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. प्रथम राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव (First National Tribal Carnival) के प्रमुख उद्देश्यों एवं अभिलक्षणों की चर्चा करें। भारत के जनजातीय समाज के सामाजिक-सांस्कृतिक समावेशन में इसकी भूमिका स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

Discuss about primary objectives and features of first national tribal carnival. Illustrate its role in socio-cultural inclusion of tribal community in Indian society. (250 words) 12.5

भारत की सांस्कृतिक व सामाजिक विविधता अत्यधिक रही है। वर्तमान वैश्वीकरण के युग में जनजातीय समुदाय को अपनी संस्कृति के संरक्षण में परेशानी हो रही है। अतः राज्य द्वारा जनजातीय संस्कृति को संरक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव का आयोजन दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर किया गया।

राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति का संरक्षण, जनजातीय संस्कृति का देशव्यापी प्रसार, जनजातीय समुदायों को पास में लाने व अन्य समुदायों के साथ सामाजिक निकटता लाने तथा संस्कृति के जरिये जनजातीय कलाकारों को पहचान, आजीविका दिलाना है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अभिव्यक्ति

(1) जनजातियों की विविध कलाओं तथा सांस्कृतिक तत्वों का प्रदर्शन

(2) आजीविका से जुड़ी कलात्मक प्रदर्शनी लगाना।

(3) जनजातीय कलाओं को पुरस्कृत करना।

(4) युवाओं को इनके सांस्कृतिक संरक्षण से जोड़ना।

वस्तुत: भारतीय जनजातीय समुदाय की बड़ी आबादी होने के बावजूद यह सामाजिक सांस्कृतिक रूप से अलगाव का सामना कर रहा है। वैश्वीकरण के कारण जनजातीय संस्कृति, प्रथाओं, उत्सवों, नृत्यों व संगीत परंपरा को नुकसान पहुँचा है।

जनजातीय महोत्सव जनजातीय संस्कृति को शेष समुदायों के निकट आने व उनकी संस्कृति के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का अवसर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रदान करता है। जनजातीय महोत्सव में विभिन्न कलात्मक वस्तुएँ कलाकारों के लिए बाजार उपलब्ध करा सकती हैं क्योंकि सभी तक ऐसा मंच नहीं मिल पाता, जहाँ से वे कलाकार अन्य समुदाय को सांस्कृतिक तत्वों से परिचित करा सकें। यह महोत्सव प्रशासन एवं राज्य को जनजातीयों के प्रति अधिक चेतना बोध व संवेदनशीलता का आह्वान करता है।

वस्तुत: राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव भारत की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है, यह उनके सामाजिक-सांस्कृतिक अलगाव को दूर कर समावेशन को पुष्ट करता है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1.5	1.5	0.75	0.75	0.75	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. भारत के फसल संबंधी उत्सवों के महत्त्व पर चर्चा करें तथा भारत की सांस्कृतिक विविधता में इनके योगदान का आकलन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Discuss the importance of harvest festivals in India and assess the contribution of these festivals in cultural diversity of India. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत प्राचीनकाल से ही कृषि प्रधान देश रहा है। अत: कृषि का संबंध यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से रहा। भारत की मानसूनी, मौसमी व भौगोलिक विविधता के कारण कृषिगत विविधता परिलक्षित होती है, इसी अनुरूप कृषि आधारित उत्सवों में विविधता दिखाई देती है।

यह विविधता निम्न प्रकार दिखाई देती है -

(1) पंजाब की उत्सवधर्मी संस्कृति के लिए कृषि समृद्धि जिम्मेदार है। यहाँ फसल की कटाई एवं फसल की बुवाई के समय विशेष त्योहारों व उत्सवों का आयोजन किया जाता है। लोहड़ी, बैसाखी, गिद्दा आदि का कृषि से संबंध है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(2) खरीफ की फसल की कटाई व रबी की फसल की बुवाई के मध्य काल में दीपावली उत्सव मनाया जाता है।

(3) असम का बिहू, केरल का ओणम त्यौहार भी इसी का परिणाम है।

(4) बौद्ध संस्कृति के वैशाखी त्यौहार का संबंध भी फसल से है।

(5) रबी की फसल की कटाई के आलोक में खुशी मनाने हेतु होली का त्यौहार मनाया जाता है।

(6) भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई पर स्थानीय भोज, संगीत-कीर्तन का आयोजन होता है।

(7) मणिपुर के लोग लोना चुकता भी फसल की कटाई के अवसर पर मनाया जाता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वस्तुतः भारत की उभयचरी विविधता के पीछे कृषि से संबंधित कारक मुख्यतः उत्तरदायी रहे हैं। यद्यपि कई उभय धार्मिक आयोजनों के कारण भी हैं।

2 1/2

मकर संक्रांति (खिचड़ी पर्व) बैसाखी, होली, ओणम (नागा) जैसे उत्सवों का उल्लेख किया जाना चाहिए।

सांस्कृतिक विविधता से उत्सवों के योगदान की चर्चा कीजिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	0.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	D	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. 1770 के दशक का बंगाल का प्रचण्ड अकाल प्राकृतिक आपदा से अधिक मानव निर्मित विपत्ति थी। इन विभिन्न कारणों पर चर्चा कीजिये जिन्होंने इसकी तीव्रता में बढ़ोतरी कर दी। (250 शब्द) 12.5

The great famine of 1770's was more a man made hazard than natural disaster. Discuss the various factors that enhanced its severity. (250 words) 12.5

1765 की इलाहाबाद की संधि के पश्चात बंगाल में दोहरी शासन पद्धति लागू हुई। जिसके तहत दीवानी संबंधी अधिकार अंग्रेजों (कंपनी) के पास व निज़ामत के कार्य नवाब के पास तय किए गये।

भारत में प्राचीन इतिहास में अकालों का वर्णन बहुत कम मिलता है, किन्तु यह पहली बार था कि बंगाल जैसा समृद्ध प्रांत भयंकर अकाल का सामना कर रहा था।

इसके लिए उत्तरदायी कारण थे -

(1) बंगाल पर दोहरी शासन पद्धति के तहत कंपनी ने राजस्व संबंधी अधिकार लिए। कंपनी ने अधिकतम राजस्व की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

वसूली हेतु नीलामी प्रक्रिया अपनाई। इसमें अधिकतम नीलामी लगाने वाले जमींदार को राजस्व वसूली का कार्य सौंपा जाता। जमींदार किसानों से अधिकतम लगान वसूली करते, जिससे किसानों के पास अधिशेष अनाज नहीं बचता। अतः आपदाओं का सीधा प्रभाव उनकी खाद्य असुरक्षा से जुड़ गया। इस प्रणाली से अकालों की बारम्बारता व तीव्रता बढ़ गयी।

(2) अंग्रेजों की शोषणकारी एवं भ्रष्ट व्यापारिक गतिविधियों के कारण हस्तशिल्प उद्योगों का पतन हुआ। जिसके कारण से बेरोजगार दस्तकार भूमिहीन कृषक मजदूर बनने को बाध्य हो गए। इससे कृषि पर दबाव बढ़ा, कृषि पिछड़ गयी। अतः अकाल का गंभीर प्रभाव पड़ा।

(3) अं. कंपनी ने दीवानी अधिकार अपने हाथ में ले लिए। अकाल के समय पहले

1760 से स्थानीय की असफलता, राजस्व ... कारकों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

नवाब किसानों को राहत ऋण व अनाजागार से अनाज का वितरण करते थे। किन्तु अब नवाब असक्षम था।

(5) कंपनी ने बंगाल की जमकर आर्थिक लूट की। धन का बंगाल से लंदन की ओर तेजी से निर्गमन हुआ। गरीबी बढ़ने एवं व्यापारिक गतिविधियों पर कंपनी के एकाधिकार होने से बेरोजगारी बढ़ने से सुभेद्यता बढ़ी।

वस्तुतः बंगाल का अकाल इतना व्यापक विनाशकारी न होता, यदि कंपनी की उपस्थिति न होती। द्वैध शासन में अपनी अनियमितताओं का सीधा असर किसानों की खाद्य सुरक्षा पर पड़ा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी राजनीतिक संघर्ष के लिये परिषद को एक रणभूमि बनाने में कहाँ तक सफल रहे? परिषद में प्रवेश को लेकर अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? (250 शब्द) 12.5

Discuss how far swarajists were successful in making Council as an arena for political struggle? What were the arguments of No-changers against Council entry? 12.5 (250 words)

असहयोग आंदोलन को वापस लिए जाने के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भावी रणनीति हेतु दो भिन्न विचार व गुट सामने आये।

गांधीवाद के समर्थक अपरिवर्तनवादियों का मानना था कि 1919 के अधिनियम के तहत होने वाले विधायिका के चुनावों में कांग्रेस भागीदारी न करे, क्योंकि कांग्रेस का सीधा विरोध सरकार से है। वे रचनात्मक कार्यों के जरिये सामाजिक सुधार व पुनः जनऊर्जा जुटाने जाने के समर्थक थे। इनमें वल्लभ भाई पटेल, मौलाना आजाद प्रमुख थे।

वहीं दूसरी ओर सी.आर.दास व मोतीलाल नेहरू जैसे स्वराजियों का मत था कि कांग्रेस को विधायिका के चुनावों में भागीदारी करनी चाहिए

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

और विधायिका के मंच को सरकार विरोध का मंच बनाकर सरकारी कार्यकलाप में हस्तक्षेप करना चाहिए।

वस्तुतः 1924 में समझौते के तहत (बेलगाम सम्मेलन में) स्वराजियों को कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई।

स्वराजियों की उपलब्धियाँ

स्वराज्यवादियों को चुनावों में अभूतपूर्व सफलता मिली। अधिकांश राज्यों में स्वराजियों की सरकार बनी। केन्द्रीय विधायिका में बहुमत से थोड़ी ही कम सीटें प्राप्त हुईं। स्वराजी केन्द्रीय विधायिका के अध्यक्ष पद पर विट्ठलभाई पटेल को बैठाने में सफल हुए।

स्वराजियों ने विधायिका को विरोध का मंच बना डाला और सरकारी प्रयासों की आलोचना की तथा विधायिका के कामकाज में

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बाधा डाली। राष्ट्रीय महत्व से जुड़े एवं साम्यवादियों के दमन के लिए लाये [illegible] राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक को पारित नहीं होने दिया।

वस्तुतः स्वराजियों को अपने उद्देश्य में सीमित किन्तु महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी। सी.आर. दास की मृत्यु पश्चात स्वराज पार्टी कमजोर पड़ गयी। लेकिन स्वराजियों की सरकार में भागीदारी से यह सिद्ध हुआ कि भारतीयों के लिए सरकार संवैधानिक सुधार के नाम पर छद्म सुधार कर रही है और वह विधायिका को वास्तविक हितों के अनुकूल नहीं बनाना चाहती।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	0.5	0.75	0.5	0	✓
Grade	B	C	D	B	B	D	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. संपूर्ण विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में 1952 का आम चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

India's general election of 1952 became a landmark in the history of democracy all over the world. Critically evaluate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत 1950 में लोकतांत्रिक गणराज्य बना। संवैधानिक प्रावधानों के तहत 1952 में हुए ऐतिहासिक आम चुनावों ने न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश दिया।

आम चुनावों का महत्व

① भारतीय लोकतंत्र एवं भारतीय राज्य के संदर्भ में विदेशी विद्वानों का मत था कि भारत एक विविध राष्ट्रीयताओं वाला देश है, जो तदर्थ रूप से संघ बना है। उन्हें प्रतीत होता था कि भारत में विविध समुदायों की आकांक्षाओं को लोकतांत्रिक चुनाव द्वारा पूरा नहीं किया जा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सकता। किन्तु, 1952 के चुनावों में विविध समुदायों व क्षेत्रों की भागीदारी ने साबित कर दिया कि भारतीय भारत महज भौगोलिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक राष्ट्र है।

(2) भारत ने सार्वभौमिक मताधिकार प्रणाली को अपनाया था और बहुदलीय प्रणाली को भी। अतः पश्चिमी विद्वानों का मत था कि भारत में सार्वभौमिक मताधिकार अव्यवहारिक है, क्योंकि मतदाता अशिक्षित व लोकतंत्र के प्रति जागरूक नहीं हैं। किन्तु, चुनावों की सफलता ने भारतीय जनमानस की लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्ठा को पुष्ट कर दिया।

(3) अधिकांश विद्वानों का मत था कि भारत के लिए चीन की तरह साम्यवादी शासन ज्यादा उपयुक्त है, क्योंकि भारत में विविधताओं को शक्ति के बल पर ही एकजुट रखा जा सकता है। किन्तु ये आशंकाएं निराधार साबित हुईं।

मतदान का आधार वयस्कता है, लिंग, संपत्ति, शिक्षा आदि नहीं। श्रेष्ठ... महिलाओं की भागीदारी पहलू का भी उल्लेख ...

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय लोकतंत्र में साम्यवादी दलों की भी भागीदारी रही।

1952 के चुनावों से मजबूत केन्द्र सरकार की स्थापना हुई। किन्तु मतदान का प्रतिशत आधे से कम रहा। (50% से कम) विपक्ष अत्यंत कमजोर था। तथा पुरुषों का ही विधायिका में प्रभुत्व था और रजवाड़ों ~~का~~ राज्यों ~~में~~ में प्रभाव रहा।

किन्तु, पहली बार विश्व में प्रथम चुनाव ~~सु~~ में ही सार्वभौमिक मताधिकार का सफल प्रयोग विश्व के लिए नयी बात थी। इस विषय में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सफलता का आरंभिक बिंदु होने के कारण महत्व है।

(4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

9. "गाधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्ता, जनता के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नही करते। वास्तव में सभी को इससे शक्ति मिलती है।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"As a politician, organiser, leader of humans and moral reformer, Gandhi is great, but he is more great as a human because these all aspects do not limit his humanity. Actually all these aspects get power from this." Examine the above statement in context of Gandhi. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

गांधी को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की केन्द्रीय धुरी के रूप में जाना जाता रहा है। इसके पीछे गांधीजी के बहुआयामी व्यक्तित्व, व्यावहारिक रणनीतियां एवं व्यापक अनुभव उत्तरदायी थे।

सफल राजनीतिज्ञ के रूप में गांधीजी प्रमुख व्यक्तित्व थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को प्रत्येक वर्ग की दहलीज तक पहुँचाया और रौलेट एक्ट विरोधी, चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद हड़ताल, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन व भारत छोड़ो जैसे आंदोलन शुरू किए। भारतीय जनमानस में उन्होंने पैठ बनाई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संगठनकर्ता गांधीजी ने भारत भ्रमण कर भारतीय परिस्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने 1920 के नागपुर अधिवेशन में कांग्रेस का संविधान तय किया जिसने पहली बार किसानों, जनजातियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। वे कांग्रेस के बजाय, देश के संगठनकर्ता बनना चाहते थे। अतः कांग्रेस की अध्यक्षता से प्राय: परहेज किया। (एक बार बेलगाम सम्मेलन में बने)

जनता के नेता ⇒

गांधीजी ने जननायक की ख्याति अर्जित की, जिसके लिए उनके रचनात्मक कार्य, सामाजिक सुधार कार्यक्रम, साधारण जीवन शैली व देश व्यापी यात्राएँ उत्तरदायी थी। वे अन्य नेताओं के विपरीत जनता के हृदय में जा बैठे।

नैतिक सुधारक ⇒

गांधीजी ने राष्ट्रीय आंदोलन को नैतिक स्वरूप प्रदान किया। साधन साध्य की पवित्रता, सत्याग्रह व अहिंसा को बढ़ावा दिया। व दलित

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्थान, नारी उत्थान, हिन्दु-मुस्लिम भागीदारी, एक राष्ट्रवाद आदि के समर्थक थे।

गांधीजी मानवता के कट्टर समर्थक थे। वे उपनिषद दर्शन से प्रेरित होकर आत्मिक उन्नति को अंतिम लक्ष्य मानते थे। उन्होंने प्राणिमात्र के कल्याण की बात की। प्रकृति के संरक्षण, गरीबों के उत्थान, न्यासिता के सिद्धांत, अंतर्राष्ट्रीयतावाद के समर्थक, लैंगिक समानता, उत्तरदायी राज्य की अवधारणा, सात पापों से बचने की सलाह आदि जैसे मानवतावादी तत्वों को प्रदर्शित किया।

वस्तुतः गांधीजी मानवतावादी चिंतक थे, जिनके पक्ष में राजनीतिक, सुधारक, जननेता, आध्यात्मिक चिंतक जैसे पक्ष अंतर्निहित थे।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. फ्राँसीसी क्रांति उस विशाल नदी की तरह रही, जो ऊँचे पर्वत शिखर से प्रारंभ होकर मार्ग में अनेक छोटे-मोटे पर्वतों को लांघती हुई-कभी तीव्र गति से, तो कभी मंद गति से प्रवाहमान रही। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में फ्राँसीसी क्रांति के स्वरूप का निर्धारण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

French revolution was like a large river, which was flowing at high or low pace, crossed sundry mountains after originating from a high mountain peak. Determine the nature of french revolution in the context of above statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त कथन फ्रांस क्रांति के विविध चरणों से होकर गुजरने को प्रदर्शित करती है। फ्रांसीसी क्रांति के पीछे निरंकुश शासन का शोषणकारी शासन, वर्गीय असमानता, रूसो जैसे विचारकों का चिंतन, करों का अत्यधिक बोझ आदि कारण थे।

फ्रांसीसी क्रांति ने 1789 में निरंकुश राजतंत्र को समाप्त कर संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना की। रोबेस्पियर के आतंक के राज में राजशाही को समाप्त किया गया और कठोर गणतंत्र शासन की शुरुआत हुई। रोबेस्पियर के पतन के पश्चात 1795 से निर्देशिका का शासन शुरू हुआ और अंतत: नेपोलियन की तानाशाही में जा पहुँचा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सोवियत क्रांति की तुलना में फ्रांसीसी क्रांति विकासशील आंदोलन था, जिसका स्वरूप निम्न था -

(1) मध्यवर्गीय स्वरूप ⇒ फ्रांसीसी क्रांति का नेतृत्व शिक्षित मध्यवर्ग के हाथों में था। इसकी लोकतंत्र संबंधी मांगे (जैसे - सीमित मताधिकार हो) भी मध्यवर्गीय थीं किन्तु प्रभाव व प्रसार के स्तर पर यह किसान व मजदूरों से जुड़ा। अतः लोकप्रिय रूप होने के बावजूद मूलतः मध्यवर्गीय थी।

(2) अनियोजित स्वरूप → फ्रांसीसी क्रांति अनियोजित प्रतीत होती है। लोकतंत्र की स्थापना से लेकर अंततः तानाशाही की स्थिति में आना यह दर्शाता है कि क्रांति में स्पष्ट नेतृत्व का अभाव रहा।

(3) वैश्विक क्रांति के रूप में मान्यता
फ्रांसीसी क्रांति स्वतंत्रता, समानता व

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बंधुता और मूल्यों का विश्वव्यापी प्रसार का पक्षी। यह फ्रांस की नहीं यूरोप की क्रांति बन गयी।

(4) सामंतवादी स्वरूप व धर्म विरोधी स्वरूप ⇒ फ्रांसीसी क्रांति सामंतवादी व्यवस्था की समाप्ति व पोप के प्रभाव को समाप्त करने की प्रतीक थी। क्रांति के कारण धर्मनिरपेक्ष स्वरूप सामने आये।

वस्तुतः फ्रांसीसी क्रांति ने व्यापक उतार चढ़ाव के साथ राजतंत्र व्यवस्था को व्यापक नुकसान पहुँचाया, किन्तु नेपोलियन के नेतृत्व में पुनः प्राचीन व्यवस्था की ओर बढ़ा। यद्यपि क्रांति पूरे विश्व में प्रेरणास्रोत बन गयी और जर्मनी, इटली के एकीकरण की आधारशिला बनी।

(9)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	·.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. 'आर्थिक राष्ट्रवाद' को बढ़ावा देने में 1929 के आर्थिक संकट के योगदान का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Examine the contribution of economic crisis of 1929 in spurring the 'economic nationalism'. (250 words) 12.5

1929 ईस्वी में न्यूयार्क शेयर बाजार में भारी गिरावट के साथ ही मंदी की स्थिति उत्पन्न हुई। मंदी के लिए निम्नकारण उत्तरदायी थे —

(1) आर्थिक राष्ट्रवाद ⇒

वास्तुत: यूरोप में विभिन्न देशों के मध्य आर्थिक प्रतिद्वंदिता शुरू हुई। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली सभी ने अपने अपने निर्यात को बढ़ाने हेतु शुल्क कम किए किन्तु आयातों पर उच्च शुल्क लगा दिये। अमेरिकी निवेशक भी अपनी पूँजी को यूरोप से निकालकर अमेरिकी शेयर बाजार में लगाने लगे। जिसके कारण व्यापार असंतुलित हुआ और आर्थिक नीतियों को विदेश नीति का प्रमुख अवयव बनाया, जिसका

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

परिणाम 1929 की मंदी की स्थिति थी।

आर्थिक राष्ट्रवाद के उग्रता के अनुपालन के अतिरिक्त अन्य कारक भी उत्तरदायी थी थे। वस्तुतः ~~1919 की~~ पर्साय की कठोर संधि के तहत फ्रांस जर्मनी से क्षतिपूर्ति राशि की कठोर वसूली चाहता था, जबकि जर्मनी देने की स्थिति में नहीं था। इसके अतिरिक्त मुसोलिनी ने इटली में निगमित व्यवस्था अपनाकर व्यापार को सरकारी नियंत्रण में ले लिया। जिसके कारण आपसी व्यापार घटने लगा।

अमेरिका में इस दौर में कंपनियों में मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति बढ़ी। वे अधिकतम लाभ कमाने हेतु शेयर बाजार में धन लगा रहे थे। इससे शेयर बाजार में "बुलबुला" बन गया, जो शेयर बाजार की तेजी से गिरावट के रूप में फूट गया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1929 की आर्थिक मंदी ने विभिन्न देशों के मध्य अविश्वास को बढ़ाया और आर्थिक राष्ट्रवाद सैन्य राष्ट्रवाद में बदलने लगा। इसके फलस्वरूप लोकतांत्रिक सरकारें मंदी से निपटने में नाकाम रही जिसके कारण मुसोलिनी व हिटलर जैसे तानाशाहों को उभरने का मौका मिला।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. चीन की वे मुख्य सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक परिस्थितियाँ क्या थीं जिन्होंने चीनी गृहयुद्ध में कम्युनिस्ट पार्टी को विजय दिलाई? (250 शब्द) 12.5

What were the major social, economic and political circumstances in China which led to the victory of communist party in Chinese civil war? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चीन में 1949 में माओत्से तुंग के नेतृत्व में सफल साम्यवादी क्रांति की और चीन में सर्वहारा का शासन स्थापित किया।

इस स्थिति के लिए निम्न कारण उत्तरदायी थे

सामाजिक कारण व आर्थिक कारण

→ चीन में किसानों व मजदूरों की स्थिति अत्यंत खराब थी। पुराने हान राजवंश से जुड़े रहे कुलीनों के पास भूमि का बड़ा हिस्सा था। वहीं चीन में उद्योगों में अमेरिका व ब्रिटेन की पूँजी लगी थी, और ये निम्न मजदूरों का शोषण करते थे। चीन से धन के पश्चिम की ओर निर्गमन से आम जनता दुःखी थी। द्वितीय विश्व युद्ध की स्थितियों ने जनता की आर्थिक परेशानियों को बढ़ाया। माओ जनता के सर्वहारा वर्ग के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

हितों के उत्साह था अतः जनता की सहानुभूति उनके पक्ष रही।

राजनीतिक कारण

→ जापान के 1931 तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के समय आक्रमण से निपटने में पश्चिम प्रायोजित लोकतांत्रिक सरकार निपटने में असफल रही। जापान ने चीनियों का अपार शोषण व दमन किया, और उनके राष्ट्रवाद को आहत किया। अतः चीनी लोग सोवियत संघ की तरह मजबूत शासन की तलाश में थे।

→ माओ का करिश्माई नेतृत्व भी इसके लिए उत्तरदायी था। माओ ने चीनी परिस्थितियों के अनुरूप मार्क्सवाद की व्याख्या की तथा क्रांति हेतु छापामार युद्ध प्रणाली को अपनाया अतः वे सशस्त्र संघर्ष में सेना पर भारी पड़ने लगे।

→ चीन में स्थापित लोकतंत्रात्मक शासन ने

आपने बेहतर लिखने का प्रयास किया है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जमींदारों, पूंजीपतियों व कुलीनों का प्रभुत्व था शासन में अत्यधिक भ्रष्टाचार था अतः जनता का इसमें विश्वास कम होने लगा जिसका फायदा माओ को मिला।

→ सोवियत संघ के अल्प समय में ही तीव्र आर्थिक विकास से चीनी लोग प्रभावित थे अतः वे सोवियत विचारधारा (मार्क्सवाद) से जुड़ने लगे।

वस्तुतः 1949 में चीनी क्रांति में माओ की जीत पूंजीवाद एवं प्रजातंत्र व अमेरिका ब्रिटेन जैसे देशों की कूटनीतिक हार थी।

(4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1.5	0.25	0.25	0.25	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

13. "भारत में लघुं-वित्त कार्यक्रमों, विशेषकर स्वयं सहायता समूह पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में लिया जाता है। फिर भी समाज में वृहद् स्तरीय सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन के बिना, स्वयं सहायता समूह व लघु-वित्त उपाय लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के बजाय स्त्रियों की पारंपरिक भूमिका को ही मज़बूत करता है।" क्या आप सहमत हैं? स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Micro-finance programmes especially self help group initiative is hailed as positive initiative towards empowerment of women in India. However, without a macro level socio-political and cultural change in the society, self help group micro-finance initiatives reinforce women's traditional role instead of promoting gender equality." Do you agree? Illustrate. (250 words) 12.5

स्वयं सहायता समूह से तात्पर्य समान उद्देश्य व समानता के लोगों द्वारा आपस में मिलकर समूह बनाकर आर्थिक हितों को पूरा करते हैं। लघु वित्त कार्यक्रमों के तहत सहयोगात्मक बैंक तंत्र से स्वयं सहायता समूह (SHG) संबद्ध होते हैं और अपनी बचत को बैंकों में जमा करते हैं और जरूरत पड़ने पर बैंक से ऋण पाते हैं।

SHG के कारण सेवा जैसे महिला समूहों ने संगठित होकर आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी की है। महिलाओं में बचत की प्रवृत्ति बढ़ी है, उनके पास संपत्ति का स्रोत पैदा हुए हैं और स्वरोजगार एवं कुशल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उद्योगों में भागीदारी की है। आर्थिक लेन देन एवं बैंकिंग तंत्र के सूचना व ज्ञान के आधार प्रदान के कारण महिलाओं की आर्थिक मामलों में निर्णय क्षमता, ज्ञान संवर्धन व आत्मनिर्भरता बढ़ी है। महिलाओं के पेशेवर कौशल को समाज में मान्यता मिली है। महिलाएँ लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से परिचित हुई हैं। SHG महिलाओं के लिए विचार विमर्श का मंच मिला है, जहाँ महिलाएँ सामूहिक रूप से सामाजिक समस्याओं से निपटने की राह निकालती हैं।

किन्तु SHG के कारण महिलाओं की भूमिका के पारंपरिक रूप से स्थायीकरण की समस्या भी देखी जा रही है। महिलाओं को केवल छोटी बचत करने वाली गृहिणी के रूप में देखा जा रहा है। अधिकांश SHG अल्प आय वाले ही व्यवसाय स्थापित कर पाते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

महिलाओं को SHGs के जरिये पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाली, परिवार की सुरक्षा के लिए अपने धन को खर्च करने वाली भूमिका प्रदर्शित हुई है।

किंतु SHGs की सफलता से महिलाओं में आर्थिक स्वायत्तता आने से आत्मविश्वास व मनोबल बढ़ा है, राजनीतिक अधिकारों के लिए जागरूकता बढ़ी है और सामाजिक जड़ताओं में कमी आयी है। किन्तु, लैंगिक समानता का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु SHGs को उच्च आय प्रदान करने वाले कौशलविकास कार्यक्रमों व SVEP जैसे उद्यमिता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों से जोड़ा जाना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	1	0.25	0.5	0.5	✓
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

14. वस्तु एवं सेवाओं की खपत में बढ़ोतरी तथा वस्तुओं के उच्च मूल्य, मजदूरों की वेतनवृद्धि को निष्प्रभावी बना देते हैं। आलोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Increase in wages of labours is neutralized by high commodity prices and increased consumption of goods and services. Discuss critically. (250 words) 12.5

वर्तमान युग खपत प्रधान अर्थव्यवस्था का है, जिसमें वेतन वृद्धि करके खपत को बढ़ाने वाले दृष्टिकोण पर जोर दिया जाता है।

वस्तुतः जब वस्तु एवं सेवा की खपत में वृद्धि होती है तो माँग में वृद्धि की तुलना में यदि आपूर्ति कम है, तो मुद्रास्फीति बढ़ने लगती है और धन का सायोजित खपत कम हो जाती है।

जब मुद्रास्फीति बढ़ती है तो वेतनवृद्धि की दर संतुलित होती है, क्योंकि बढ़े हुए वेतन से अधिक मात्रा में खरीदारी की जा सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

किसी भी अर्थव्यवस्था में ~~तौ~~ औद्योगिक उत्पादन बढ़ाने के लिए खपत को बढ़ाना आवश्यक होता है, जिसके लिए प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि आवश्यक है। यदि यह वृद्धि (आय) ~~क~~ मुद्रास्फीति की दर की तुलना में उच्च है तो खपत बढ़ेगी तथा इसका उल्टा भी सत्य है।

वस्तुतः सातवे वेतन आयोग की सिफारिश लागू होने ~~भारत~~ भारत में ~~थ~~ वस्तु एवं सेवाओं की खपत बढ़ने की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि मुद्रास्फीति का स्तर (सी.) से कम बना हुआ है। किंतु, व्यवहारतः ऐसा ~~ही~~ होता प्रतीत नही हो रहा। लगातार वेतन में वृद्धि तथा मुद्रास्फीति के कम होने के बावजूद उद्योगों के मांग में वृद्धि

संबंधित विवादास्पद पहलू - विषय को छोड़कर सीधे लिखा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नहीं हो पा रही है।

वस्तुतः यदि मुद्रास्फीति का स्तर नियंत्रित स्तर (2-6% के बीच) पर हो तो यह खपत को बढ़ाने वाला होता है, क्योंकि इनसे उद्योग उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित होते हैं।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये सरकार के द्वारा कई प्रयास किये गए हैं लेकिन वे सफल नहीं हुए। भारत में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के लिये ज़िम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये तथा इसमें सुधार हेतु उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

A number of initiatives have been taken by government to improve the quality of primary education but they failed to improve the quality of education. Discuss various factors responsible for the poor quality of education in India and suggest measures to improve it. (250 words) 12.5

भारत ने 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए सार्वभौमिक शिक्षा का अधिकार प्रदान किया है और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु सर्वशिक्षा अभियान के तहत कई पहल शुरू की हैं। किन्तु ऐसे प्रयासों को सीमित सफलता ही प्राप्त हुई है। क्योंकि नामांकन दर बढ़ने के बावजूद विद्यार्थियों में सीखने की क्षमता कम है।

शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के कारण

(1) भारत को शिक्षा क्षेत्र में कम से कम 6% निवेश (बजट का) की जरूरत है जबकि वास्तविक खर्च 3% के लगभग है। पिछले कुछ वर्षों से शिक्षा पर खर्च या तो स्थिर है या कम होती जाती है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(2) शिक्षकों में गुणवत्ता का अभाव।
MHRD के अनुसार 11लाख शिक्षक गुणवत्ताहीन हैं।

(3) बुनियादी ढांचा का अभाव
ग्रामीण क्षेत्रों में भवन, परिसर, पेयजल, शौचालय, परिवहन की कमी।

(4) भ्रष्टाचार ⇒ सरकारी विद्यालयों के निरीक्षण, मिड्डे मील कार्यक्रम, नये विद्यालयों की मंजूरी में व्यापक भ्रष्टाचार विद्यमान है।

(5) समावेशन का अभाव ⇒ उच्च वर्गों के बच्चे निजी विद्यालयों में अध्ययन करते हैं। गरीब अशिक्षित लोगों के बच्चे ही सरकारी विद्यालय में जाते हैं, अतः विद्यालय प्रशासन उनके प्रति जवाबदेह नहीं बन पाता।

(6) प्रतिस्पर्धा का अभाव ⇒
विद्यालयों में परिणामों को लेकर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रतिस्पर्धा का अभाव है।

उपाय ⇒

① सरकारी विद्यालयों को परिणाम आधारित अनुदान से जोड़ना। नीति आयोग ने शिक्षा की गुणवत्ता मापने हेतु एक इंडेक्स जारी किया है।

② सर्वशिक्षा अभियान के तहत खर्च को बढ़ाना और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार।

③ आवधिक रूप से प्रशिक्षण की संस्थागत व्यवस्था द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित करना।

④ सरकारी विद्यालयों की जिम्मेदारी पंचायती राज संस्थाओं को सौंपना, ताकि सामाजिक अंकेक्षण की व्यवस्था हो।

⑤ निवेश को बढ़ाना - अमीरों के बच्चों को भी जोड़ना

अतः शिक्षा के उद्देश्य की जागरूकता व शिक्षा से जुड़े प्रशासन की जवाबदेही शिक्षा के उद्धार के लिए जरूरी है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

16. नगरीकरण की बढ़ती हुई समस्या ने न केवल नगरों के धारणीय विकास को अवरुद्ध किया है अपितु इसके आर्थिक-पर्यावरणीय लागत को भी उच्च किया है। उक्त कथन के विवेचन करते हुए इसके निवारण हेतु किये जा रहे प्रयासों की चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The problem of urbanization has not only blocked sustainable development of cities but also escalated socio-environmental cost. Explain above statement and discuss the solutions to eradicate these problems. (250 words) 12.5

नगरीकरण से तात्पर्य नगरों के आकार, जनसंख्या के लगातार प्रसार से है। भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया तीव्र होती जाती है। गाँवों व छोटे कस्बों से लगातार प्रवसन के कारण अनेक समस्याएँ पैदा हुई हैं -

आर्थिक समस्या →
शहरों में रोजगार की सुरक्षा सभी को प्राप्त नहीं है, श्रम के अनौपचारीकरण को बढ़ावा मिला है, अल्प मजदूरी वाले कार्यों से शहरी गरीबी का व्यापीकरण हुआ है।
→ शहरों की बुनियादी संरचना पर बोझ पड़ा है।

सामाजिक समस्या ⇒ शहरों की ओर अनियोजित प्रवसन के कारण मलिन बस्तियों की संख्या

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बढ़ी है। बस्तियों में अपराध, लैंगिक हमले, अस्वच्छता, आपदाओं के प्रति सुभेद्यता, बाल श्रम आदि बढ़े हैं।

शहरी परिवहन तंत्र, स्वास्थ्य सेवाओं व शिक्षा प्रणाली पर अतिभार बढ़ा है।

राजनीतिक प्रभाव

शहरी क्षेत्र में आये लोगों को हमलों का सामना करना पड़ता है। मताधिकारों, राशनकार्डों की कमी के कारण योजनाओं व सेवाओं का सामना करना पड़ता है।

पर्यावरणीय लागत

शहरों में अस्वच्छता, ठोस कचरे की समस्या उत्पन्न हुई है। संवेदनशील क्षेत्रों में बसाव से आपदाओं की सुभेद्यता बढ़ी है। शहरों में लगातार वाहनों, उद्योगों, निर्माण कार्य बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन की दर बढ़ी है। शहर हीट आइलैण्ड में परिवर्तित होने लगे हैं और शहरी बाढ़ की समस्या उत्पन्न हुई है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संधारणीय शहरीकरण हेतु प्रयास

① स्मार्टसिटी मिशन के तहत 100 संधारणीय स्मार्ट सिटीज का विकास।

② अमृत कार्यक्रम मझोले शहरों के कायाकल्प से जुड़ा है।

③ हृदय जैसी योजनाएँ शहरी धार्मिक अवसंरचना पर केन्द्रित है।

④ स्मार्ट सिटीज व शहरी विकास हेतु अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी से समझौते।

⑤ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) व ~~शहरी~~ राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शहरों के क्षमता निर्माण व (अवसंरचना) पर केन्द्रित हैं।

इस प्रकार शहरों को तीव्र विकास का संधारणीय ईंजन बनाने हेतु भारत प्रयासरत है। भारत ने SDG के लक्ष्य 11 के तहत संधारणीय शहरी विकास की ओर कदम बढ़ाए हैं, यद्यपि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	0.25	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

17. भारत की विशिष्ट भौगोलिक पृष्ठभूमि में नवीकरणीय ऊर्जा के विकेंद्रीकृत प्रादेशिक विकास की संभाव्यता का विवेचन करें। साथ ही इसके विकास में विद्यमान चुनौतियों की भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

Explain possibility of decentralised regional development of renewable energy in the backdrop of diverse geography of India. Also discuss existing challenges in developing these. (250 words) 12.5

भारत की भौगोलिक विविधता के कारण नवीकरणीय ऊर्जा की विशाल संभावना दिखी है-

(1) भारत के हिमालयी राज्य मनाली जम्मू कश्मीर से लेकर उत्तरपूर्वी भारत तक जलविद्युत उत्पादन की विशाल संभावना है। दक्षिण की नदियों पर भी जलविद्युत की संभावना है।

(2) भारत का पूरा क्षेत्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आता है। जहाँ वर्षभर सूर्य की किरणें रहती हैं। अतः दक्षिणी एवं राजस्थान आदि राज्यों में सौर ऊर्जा की व्यापक संभावना है।

(3) भारत के लिए 7500 लंबी तटवर्ती समुद्री सीमा व अन्य स्थल पवन ऊर्जा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

की व्यापक संभावना दर्शाते है।

(4) भारत के शहरों से बड़ी मात्रा में जैविक कचरा, ग्रामीण क्षेत्रों से पराली जैसे कृषि अवशेष बायोमास से एनर्जी उत्पादन की बड़ी संभावना रखते है।

(5) भारत की ओर ~~[illegible]~~ वर्षभर तटवर्ती क्षेत्रों में समुद्री ज्वार चलते हैं अतः गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल में ज्वारीय ऊर्जा की बड़ी संभावना है।

(6) भारत में ~~मोनाजाइट~~ थोरियम का विशाल भंडार है एवं यूरेनियम के भी उत्तरपूर्व एवं बिहार-झारखंड में भंडार है। अतः परमाणु ऊर्जा की विशाल संभावना है।

चुनौतियाँ

(1) सबसे बड़ी चुनौती परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मंजूरी व स्थानीय लोगों के विरोध की है।

(2) भारत अल्प पूँजी प्रधान देश है। तथा अत्याधुनिक तकनीक का अभाव है। अतः इनके लिए विदेशों पर निर्भरता है।

(3) नवीकरणीय ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ना चुनौती है।

(4) डिस्कॉम्स घाटे में हैं अतः परियोजनाओं को लाभदायक बनाना चुनौती है।

भारत विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में से है जिसने नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता देते हुए 2030 तक 40% नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है और इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सोलर गठबंधन, अपतटीय पवन ऊर्जा नीति, राष्ट्रीय सोलर मिशन जैसे व्यावहारिक कदम उठाये हैं। भारत चीन के बाद नवीकरणीय ऊर्जा में दूसरा सबसे बड़ा निवेशक है।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	0.3	0.3	
Grade	B	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

18. भारतीय कृषि में मशीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी ग्राह्यता (Adaptation) की प्रवृत्ति काफी सुस्त है जो खेत-फसल-किसान के त्रिगुट आधार को क्षरित करते हुए कृषि के पिछड़पन को सघन कर रही है। टिप्पणी करें। (250 शब्द) 12.5

There is sluggish pace of mechanization, modernisation and technology adaptation in Indian agriculture, which is intensifying backwardness of agriculture by deteriorating trinity base of farm-crop-farmer. Comment. (250 words) 12.5

भारतीय कृषि परंपरागत तकनीकों पर आधारित है, जिसके कारण उच्च उपजाऊ भूमि होते हुए भी प्रति हैक्टेयर उत्पादन निम्न बना हुआ है।

इस विरोधाभासी स्थिति के पीछे अपर्याप्त बाजार सुधार, अत्यधिक जन दबाव, खेती का विखंडित रूप, भूमि सुधारों की अपर्याप्तता जैसे कारक रहे हैं। जिनमें एक बड़ा कारण कृषि का मशीनीकरण भी न होना है।

वस्तुतः भारत में सिंचाई हेतु प्राचीन तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जिसके कारण जल के दुरुपयोग व भूमि क्षरण की समस्या उत्पन्न हुई है। भूजल का स्तर गिरा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है तथा उर्वरकों का प्रयोग अनियंत्रित हुआ है जिससे जल व मृदा प्रदूषण की समस्या हुई है।

फसलों की कटाई, बुवाई, सिंचाई हेतु मानवों का प्रयोग लागत को बढ़ाता है तथा उत्पादकता को कम करता है।

तकनीक व सूचना की पहुँच के अभाव के कारण किसान मानसून, सरकारी प्रेरक उपायों (MSP) के अनुसार नहीं हो पाते। कृषि अनुसंधानों का लाभ किसानों तक नहीं पहुँचाया जा सका है।

कृषि के आधुनिकीकरण हेतु मशीनीकरण, तकनीकी आवश्यकता जरूरी है। सिंचाई हेतु स्प्रिंकलर ड्रिप प्रणाली, सौर कृषि, सॉइल हेल्थ की डिजिटल टाइम जानकारी, किसानों को लाभ पहुँचा सकती है।

सूचना व संचार तकनीक किसानों को मौसम की जानकारी पहुँचाने, बाजार की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रवृत्तियों के आकलन, मौसम की जानकारी, कृषि ऋणों का DBT के जरिये सीधी पहुँच सुनिश्चित कर सकती है।

कृषि के मशीनीकरण व आधुनिकीकरण में किसानों की अशिक्षितता, परम्परावादी दृष्टिकोण, खेतों का छोटा आकार, पूँजी निवेश के बजाय महाजनी, आदि बाधक हैं।

कृषि के आधुनिकीकरण हेतु लगातार संस्थागत प्रयास की जरूरत है।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1.5	1	.3	0.3	0.25	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

19. वैश्विक ऊष्मन एवं जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया ने किस प्रकार भारतीय मानसून को प्रभावित किया है? इसके भारत के सामाजिक-आर्थिक जीवन पर क्या प्रभाव है? (250 शब्द) 12.5

How has global warming and climate change affected Indian Monsoon? What are its impacts of socio-economic life of India? (250 words) 12.5

जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व आज परिवर्तन से गुजर रहा है।

मानसून पर प्रभाव

→ अलनीनो घटना की सख्या में वृद्धि हुई है।

→ वर्षा के पैटर्न में परिवर्तन आया है।

→ कुछ क्षेत्रों में वर्षा की मात्रा बढ़ी है तो कहीं पर कम हुई है।

→ मानसून का निवर्तन तेज हुआ है।

सामाजिक आर्थिक प्रभाव

- कृषि संकट
- पर्यावरण को नुकसान
- जल संकट
- आजीविका संकट

वैश्विक उष्मन व जलवायु परिवर्तन को स्पष्ट करते हुए शुरू कीजिए।

सभी बिंदुओं पर प्रभाव को स्पष्ट करें।

समाधान व उपायों का समावेश कीजिए।

मॉडल उत्तर का अध्ययन कीजिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

20. क्या कारण है कि विश्व के अन्य देशों की तुलना में भारत में पर्यटन की प्रवृत्ति काफी मंद है और यह आम जीवन का अंग नहीं बन पाया है? इस मनोवृत्ति में बदलाव हेतु आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

What are the reasons for having slow pace of tourism oriented attitude of India in comparison to other countries of the world and it has not become part of common man's life? What are your suggestions to change this mentality? (250 words) 12.5

!

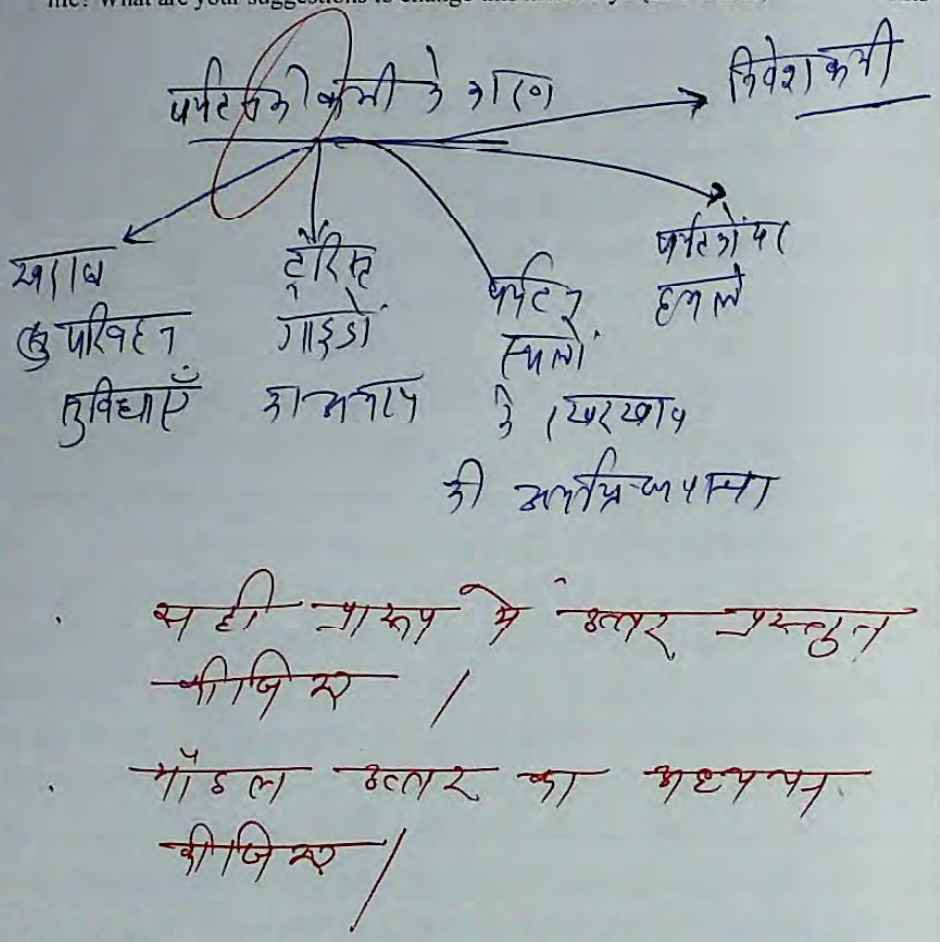

सही प्रारूप में उत्तर प्रस्तुत कीजिए।

मॉडल उत्तर का अध्ययन कीजिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation